

Padma Shri



SHRI SETHPAL SINGH

Shri Sethpal Singh is a leading farmer of district Saharanpur, Uttar Pradesh. He demonstrated diversification in agriculture sector for sustainable income to pave a direction for small holder farmers which led to change in income of the surrounding farming community.

2. Born on 5th March, 1966, Shri Sethpal Singh belongs to from farming community. He did BEMS, MD (Electro Homeopathy) and started his practice in the year 1992. Shri Sethpal Singh was engaged in farming also but was not able to take good return. This pushed him to adopt diversification in agriculture for sustainable income.

3. Shri Sethpal Singh started Singhara cultivation in normal field after digging one feet only where he got quality Singhara having high market demand. He also started Fish pond and Lotus cultivation for year round sustainable income. He also started Seasonal Mushroom and through value addition as Pickles earning more positively. Through sale of Kamal Kakri and Kamal Gatta income improved drastically.

4. Shri Sethpal Singh also adopted drip irrigation system to save the water. He also switched over to organic farming through use of bio agents and other means. He used various IPM practices to control the insect pests through non chemical methods.

5. Shri Sethpal Singh diversified his farming in such a way that he used to get daily income through sale of milk, vegetables and other produces on regular basis, This also generated employments for landless labours at village level. Many rural youths attracted towards farming by seeing the program of Shri Sethpal Singh who become a role model for farming community. The technology adopted by Shri Sethpal Singh has helped large farming community in improving their income.

6. Shri Sethpal Singh has been recognized and awarded by Various Govt. organizations at National level during 2012, Innovative Farmer Award from IARI, PUSA. New Delhi, Jagjeevan Ram Abhinav Kisan Puruskar Award 2015 from ICAR and fellow farmer award IARI/ICAR 2020, He is also members of various bodies like ATMA governing board, NHM, SAC of KVK, Chairman of FAC, State Advisory Committee Member, Farmer First project Member of ATARI, ICAR, Zone IIIrd, Editorial Board member of Phal Phool and Kheti Patrika of ICAR.

पद्म श्री



श्री सेठपाल सिंह

श्री सेठपाल सिंह जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के एक अग्रणी किसान हैं। उन्होंने स्थायी रूप से आय की प्राप्ति के लिए कृषि क्षेत्र में विविधीकरण के लिए कार्य किया ताकि छोटे जोत वाले किसानों के लिए एक दिशा तैयार की जा सके और इससे आसपास के कृषक समुदाय की आय में बदलाव आया।

2. 5 मार्च 1966, को जन्में, श्री सेठपाल सिंह कृषक समुदाय से हैं। उन्होंने बीईएमएस, एमडी (इलेक्ट्रो होम्योपैथी) किया और वर्ष 1992 में अपना अभ्यास शुरू किया। श्री सेठपाल सिंह खेती संबंधी कार्य में भी लगे हुए थे लेकिन अच्छा रिटर्न नहीं ले पा रहे थे। उसने उन्हें स्थायी रूप से आय की प्राप्ति के लिए कृषि क्षेत्र में विविधीकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

3. श्री सेठपाल सिंह ने सामान्य खेत में सिंघाड़े की खेती को केवल एक फीट खोदकर ही आरंभ कि जिससे उन्हें बाजार में उच्च मांग गुणवत्ता वाले सिंघाड़े उपलब्ध हुए। इन्होंने साल भर में स्थायी रूप से आय की प्राप्ति के लिए मछली तालाब और कमल की खेती भी शुरू की। इन्होंने मौसमी मशरूम की खेती भी शुरू की और अचार की ब्रिकी से मूल्यवर्धन के माध्यम से अधिक कमाई की। कमल ककड़ी और कमल गट्टा की बिक्री से आय में काफी सुधार हुआ।

4. श्री सेठपाल सिंह ने पानी की बचत के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली भी अपनाई। उन्होंने बायो एजेंटों और अन्य साधनों के उपयोग के माध्यम से जैविक खेती को भी अपनाया। इन्होंने गैर-रासायनिक तरीकों से कीटों को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न आईपीएम पद्धतियों का इस्तेमाल किया।

5. श्री सेठपाल सिंह ने अपनी खेती में इस तरह विविधता को अपनाया जिससे इन्हें दूध, सब्जी और अन्य उत्पादों की नियमित बिक्री के माध्यम से दैनिक आय प्राप्त होती थी। इससे ग्राम स्तर पर भूमिहीन श्रमिकों के लिए रोजगार का भी सृजन होता था। कृषक समुदाय के लिए आदर्श बने श्री सेठपाल सिंह के कार्यक्रम से प्रभावित होकर कई ग्रामीण युवा खेती की ओर आकर्षित हुए। श्री सेठपाल सिंह द्वारा अपनाई गई तकनीक से बड़े कृषक समुदाय को उनकी आय में सुधार करने में मदद मिली है।

6. श्री सेठपाल सिंह को राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सरकारी संगठनों द्वारा मान्यता प्रदान की गई और वर्ष 2012 के दौरान, आईएआरआई, पूसा नई दिल्ली से इनोवेटिव फार्मर अवार्ड, आईसीएआर से जगजीवन राम अभिनव किसान पुरस्कार 2015 तथा फेलो फार्मर पुरस्कार आईएआरआई/आईसीएआर 2020, से सम्मानित किया गया वह एटीएमए गवर्निंग बोर्ड, एनएचएम, केवीके के एसएसी, जैसे विभिन्न निकायों के सदस्य एफएसी के अध्यक्ष, राज्य सलाहकार समिति के सदस्य, अटारी, आईसीएआर, जोन थर्ड के किसानों संबंधी पहली परियोजना के सदस्य, फल फूल और आईसीएआर की खेती पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य है।